₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

PDA ने ली अंगड़ाई

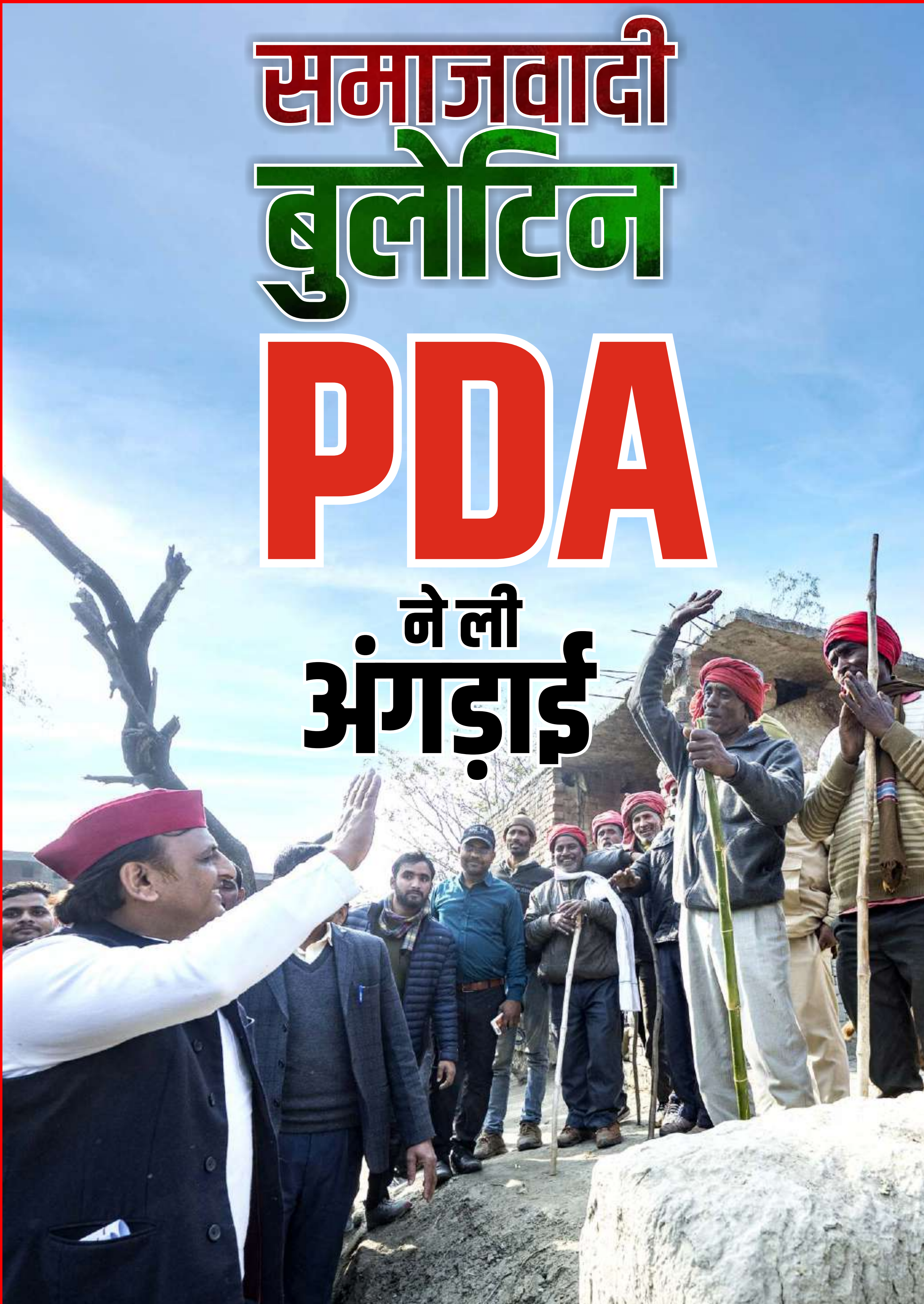

R.N.I. No. 68832/97

देश की आजादी के लिए छोटे-बड़े, अमीर-गरीब सभी ने एक साथ संघर्ष किया। इसलिए अब सभी को सम्मान और अधिकार भी एक समान रूप से मिलना चाहिए और यह केवल समाजवादी व्यवस्था में ही संभव है। दीन-दुखियों के आंसू पोंछना समाजवाद का प्रमुख लक्ष्य है।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

फरवरी 2024

वर्ष 25 | संख्या 04

प्रिय पाठकों,

आपको बधाई एवं हृदय तल से आभार। आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। आप सभी के प्यार और उत्साहवर्धन की बदौलत यह संभव हो पाया। समाजवादी बुलेटिन के ढाई दशक के सफर में इसके नए कलेवर को आपने खूब सराहा। हम भरोसा दिलाते हैं कि वैचारिक स्तर पर आपको समृद्ध करने का हमारा प्रयास सतत जारी रहेगा। कृपया अपना स्नेह यूं ही बनाए रखें।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

पूजा और आरती से माहौल हुआ भक्तिमय 30

10 कवर स्टोरी **PDA ने ली अंगड़ाई**

अखिलेश की पहल से INDIA को मिली ताकत 04

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की दूरदर्शिता और राजनीति के दूरगामी नतीजों की समझ का एक और प्रमाण तब सामने आया जब उन्होंने उत्तर प्रदेश में INDIA को मजबूती देने के लिए निर्णय लेकर गठबंधन की राह प्रशस्त कर दी। श्री अखिलेश यादव की पहल पर यूपी में INDIA गठबंधन में समाजवादी पार्टी व कांग्रेस में सीट शेयरिंग तय होते ही देश की सियासी हवा भी बदल गई।

धर्म के कंधों पर राजनीति 08

बजट: हकीकत कुछ, फसाने कुछ और 32

अखिलेश की पहल से INDIA को मिली ताकत

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की दूरदर्शिता और राजनीति के दूरगामी नतीजों की समझ का एक और प्रमाण तब सामने आया जब उन्होंने उत्तर प्रदेश में INDIA को मजबूती देने के लिए निर्णय लेकर गठबंधन की राह प्रशस्त कर दी। श्री अखिलेश यादव की पहल पर यूपी में INDIA गठबंधन में समाजवादी पार्टी व कांग्रेस में सीट शेयरिंग तय होते ही देश की सियासी हवा भी बदल गई।

यूपी में इस गठबंधन का संदेश दूर तलक गया और फिर दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा राज्यों में भी INDIA गठबंधन को मजबूती मिल गई।

यूपी में INDIA गठबंधन में समाजवादी पार्टी प्रमुख दल होगा और वह 80 सीटों में 63 पर चुनाव लड़ेगा। 17 सीटों पर कांग्रेस अपना उम्मीदवार उतारेगी। समाजवादी पार्टी वकांग्रेस के नेताओं ने लखनऊ में

संयुक्त प्रेसवार्ता कर सीट शेयरिंग का सार्वजनिक तौर पर ऐलान भी कर दिया है।

समाजवादी पार्टी के साथ आते ही कांग्रेस व INDIA गठबंधन के दूसरे दलों का भी मनोबल बढ़ गया क्योंकि यूपी में समाजवादी पार्टी ही लंबे समय से भाजपा से लड़ रही है।

INDIA गठबंधन होते ही समाजवादी पार्टी द्वारा लगातार उठाए जा रहे PDA यानि पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों के मुद्दों को भी मजबूती मिल गई। जाहिर है, INDIA गठबंधन से जुड़ने पर अब INDIA गठबंधन के दूसरे दल भी PDA की वकालत तेज करेंगे और उन्हें उनका अधिकार मिलने में अब ज्यादा देर नहीं लगेगी।

राष्ट्रीय राजनीति के फलक पर पहले से ही स्थापित है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बड़ा दिल रखते हैं और देशहित में किसी भी स्तर पर जा सकते हैं। सामाजिक न्याय की लड़ाई में और धार देने की उनकी कोशिशें भी हमेशा रेखांकित की जाती रही हैं।

उसी के तहत श्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए सीटें छोड़ने के साथ ही 25 फरवरी को आगरा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ रोड शो में भी हिस्सा लिया। जिसने INDIA गठबंधन को और ताकत दी।

आगरा के टेढ़ी बगिया पर सभा के बाद तीनों नेताओं ने एक किलोमीटर तक रोड शो किया। यमुना किनारा रोड से होते हुए आगरा किला रोड, ताजमहल पश्चिमी गेट से पीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने से यात्रा मॉल रोड तक पहुंची।

आगरा में श्री यादव के कांग्रेस नेताओं के साथ आने पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इसमें हिस्सा लेकर उत्तर प्रदेश में सपा की ताकत का भरपूर अहसास कराया।

रोड शो के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आगरा मोहब्बत के लिए दुनिया में जाना जाता है, इस शहर से मोहब्बत भरकर ले

जाएं और पूरी दुनिया में बांटें।इससे पहले सभा को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं को नौकरी, रोजगार देने में नाकाम रही है। किसानों को उनका हक नहीं मिला। नौजवान और किसान नौकरी, रोजगार और अपने हक के लिए लड़ाई लड़ रहा है। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। किसान, नौजवान से लेकर हर वर्ग दुःखी है और निराश है। INDIA गठबंधन और PDA की एकता भाजपा को हराने का काम करेगी। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया होगा। श्री यादव ने कहा कि केंद्र में INDIA गठबंधन की सरकार किसानों और नौजवानों को उनका हक और सम्मान दिलाएगी।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में हर भर्ती का पेपर लीक हो जाता है। भाजपा सरकार जानबूझकर पेपर लीक कराती है जिससे युवाओं को नौकरी न देनी पड़े। भाजपा सरकार सिर्फ कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रही है। नौजवान निराश हैं। नौजवान अपनी डिग्रियां जलाकर आत्महत्या करने पर मजबूर हैं।

श्री अखिलेश यादव ने भाजपा हटाओ-संकट मिटाओ का नारा देते कहा कि आज लोकतंत्र और संविधान संकट में है। भाजपा सरकार लोकतंत्र खत्म कर रही है। संविधान विरोधी काम कर रही है। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने संविधान में पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों को जो हक दिया था उसे भाजपा सरकार ने छीना है। देश के सामने लोकतंत्र और संविधान बचाने की

चुनौती है। उन्होंने कहा कि INDIA गठबंधन एकजुट है। एकजुट INDIA गठबंधन एनडीए को हराएगा।

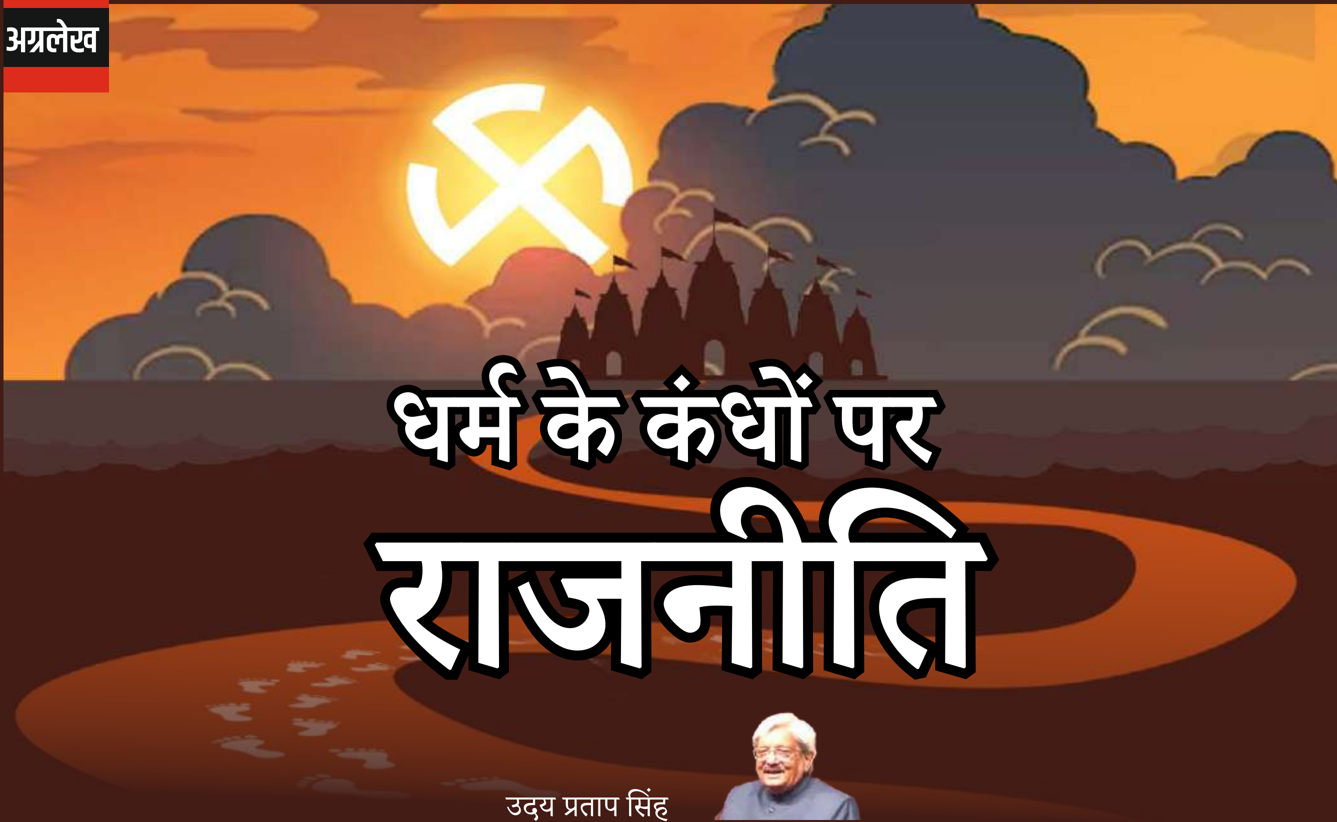

धर्म के कंधों पर राजनीति

उदय प्रताप सिंह

वर्तमान भाजपा सरकार की आस्था न तो संविधान में है, न लोकतंत्र में और न गणराज्य में है, यह बात भांति भांति की घटनाओं से बराबर सामने आती रही है। जिस तरह से इस सरकार ने पत्रकारिता-मीडिया को नाकारा बना दिया है, जिस प्रकार संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर डाका डाला गया है, जिस प्रकार विपक्ष को कमजोर किया गया है, विपक्ष के नेताओं को सीबीआई और ईडी का प्रयोग करके लांछित किया जा रहा है, यह सब तानाशाही के लक्षण हैं।

जिस प्रकार सरकार के तीन अंग कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका का संविधान सम्मत स्वरूप बिगड़ रहा है वह भी तानाशाही का लक्षण है। कार्यपालिका और विधायिका दोनों सरकार के आगे नतमस्तक है। संविधान सम्मत धार्मिक सहिष्णुता और सह अस्तित्व की भावना को पूरी तरह सरकार ने हिन्दुत्व के एजेंडे के चलते तहस-नहस कर दिया है। यहां तक कि चुनाव आयोग भी आयुक्त श्री टीएन शेषन के जमाने वाला चुनाव आयोग नहीं रहा। अब वह भी सरकार का मुखापेक्षी लगता है।

मेरा मानना है कि वर्तमान सरकार में लोकतंत्र से ज्यादा एक तंत्र के लक्षण दिखलाई देते हैं। उसका ताजा उदाहरण 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन रहा। चुनाव से पहले इसकी टाइमिंग से हमारी आशंका दृढ हो गई है। मैं मानता हूं कि धर्म के कंधों पर राजनीति ढोयी जा रही है जोकि न तो संविधान सम्मत है और न धार्मिक सनातनी परंपराओं के अनुकूल।

हिंदू धर्म के जितने शंकराचार्य या बड़े संत हैं सब यह मानते हैं कि आधे-अधूरे बने मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करना-कराना अशोभनीय और देश के लिए अशुभ भी हो सकता है। खासतौर पर जब दो-तीन महीने बाद रामनवमी का पावन त्यौहार आने वाला था तो सवाल उठता है कि फिर इस प्राण प्रतिष्ठा के लिए इतनी जल्दी क्यों की गई जबकि रामनवमी प्राण प्रतिष्ठा के लिए सर्वोत्तम दिन होता। स्पष्ट है कि उन्हें 2024 के चुनाव में लाभ लेने के लिए संविधान की भावना के प्रतिकूल और सनातन धर्म की परंपराओं को अमान्य करके यह काम चुनावी फायदे के लिए बहुत जरूरी लगा होगा। रामनवमी तक हो सकता है आचार संहिता लागू हो जाती।

हालांकि मैं नहीं समझता कि पिछले अनुभवों के आधार पर चुनाव आयोग इस पर कोई आपत्ति करने की हिम्मत करता। उसकी हिम्मत पर सदैव शंका रहती है लेकिन न्यायालय का खतरा बड़ा था। हो सकता था कि आचार संहिता का उल्लंघन का संज्ञान न्यायालय लेता इसलिए यह तारीख तय की गई।

दूसरी बात यह है कि आयोजन इतने बड़े

पैमाने पर किया गया। ताज्जुब होता है कि जिस देश में 82 करोड लोगों को खाना, सरकार पेट भरने के लिए देती हो उसमें इतने बड़े पैमाने पर यह इस तरह धन का अपव्यय क्यों किया गया और क्या ऐसा करना उचित था? और धन आता किधर से है? इन सवालों का जवाब सरकार को देना चाहिए क्योंकि यह लोकतंत्र है और लोकतंत्र में जवाबदेही सरकार का धर्म है।

उधर उन लाभार्थियों को बराबर यह भी समझाया जा रहा है कि मुफ्त राशन से मिल रहा यह खाना भाजपा सरकार ही दे पाएगी, दूसरी सरकार आई तो उनको यह लाभ नहीं मिलेगा। अब सोचना यह है कि इन लाभार्थियों से सरकार को जो लाभ हो रहा है वह सरकार का सोच समझ कर किया काम है क्या? अगर गरीबी दूर हो गई तो इन वोटों की संख्या भी कम हो सकती है। इसलिए सरकार गरीबों को क्या अपने चुनावी लाभार्थ क़ायम रखना चाहती है। अन्यथा बेमौसम की बरसात जैसे इस आयोजन का औचित्य और क्या था?

शंकराचार्य और धर्मगुरु सब यह मानते रहे कि अयोध्या का आयोजन चुनावी लाभ हेतु सरकार की निर्लज्ज कोशिश रही और सनातन व्यवस्था का अपमान भी। सवाल फिर भी वही है कि इस काम के लिए इतना धन कहां से आया जब अभी हाल ही में एक रिपोर्ट आई है जिसमें सरकार पर आरोप है कि सरकार ने बहुत बड़े पैमाने पर दूसरी मदों का पैसा अपने फायदे के लिए अनियमित ढंग से अन्यत्र खर्च किया। दूसरी आपत्तिजनक बात यह कि इस आयोजन में किसी धर्मगुरु या शंकराचार्य या जिन्होंने राम मंदिर हेतु न्यायालय में पैरोकारी की थी उनको बिल्कुल विश्वास में नहीं लिया गया और न ही इस आयोजन का ढंग से निमंत्रण दिया गया। कई धर्म गुरुओं ने तो यहां तक कहकर जाने से इनकार कर दिया कि वे क्या वहां सिर्फ तालियां बजाने जाते?

राजनीतिक लोगों को निमंत्रण देने में भी राजनीतिक कौशल का खेल हुआ। ऐसे लोगों को निमंत्रण दिया गया और ऐसे ढंग से निमंत्रण दिया गया जिससे कि वह आना चाहें तो भी न आएं और भाजपा को मतदाताओं के सामने यह कहने का मौका मिल जाए कि यह सब राम विरोधी हैं, हिंदू विरोधी हैं इसलिए देश विरोधी भी हैं और तुम्हारे वोटों के हकदार नहीं है।

प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन बाद में किया जा सकता था पर जनहित के असली मुद्दों पर काम करने से सरकार हमेशा से बचती रही है। वैश्विक लोकतंत्र के सूचकांक पर ऐसी ही बातों से हमारा स्तर गिरता जा रहा है

यूं तो सरकार राजनीतिक विरोधियों को देश विरोधी सिद्ध करने की बड़ी कोशिश हमेशा करती रही है। वह तो भला हो उच्चतम न्यायालय का जिसने समय-समय पर अपने फैसलों में सरकार को दिशा दी है, समझाया है कि सरकार और राज्य अलग-अलग संस्थाएं हैं इसलिए सरकार की नीतियों का विरोध राज्य का विरोध नहीं माना जा सकता और इस तरह देशद्रोह को परिभाषित नहीं किया जा सकता।

वास्तविकता यह है कि सरकार अपने बजट के घोषणा पत्र पर काम करने से ज्यादा आरएसएस के राष्ट्र के हिंदुकरण के एजेंडा पर काम कर रही है और उसके लिए राम नाम का संवैधानिक प्रयोग जरूरी समझ कर किया जा रहा है। राम मंदिर में नवीन प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के जरिये सरकार पूरा फायदा 2024 के चुनाव में लेना चाहती है अन्यथा सरकार का ध्यान भूख, गरीबी, बेकारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और शिक्षा की दुर्दशा पर अधिक होना चाहिए था।

राम का मंदिर बनता रहेगा और कई वर्षो तक बनता रहेगा। प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन बाद में किया जा सकता था पर जनहित के असली मुद्दों पर काम करने से सरकार हमेशा से बचती रही है। वैश्विक लोकतंत्र के सूचकांक पर ऐसी ही बातों से हमारा स्तर गिरता जा रहा है लेकिन सरकार को सत्ता में बने रहने के लिए इसकी कोई चिंता नहीं है। देश प्रेम का डंका पीटने वाली भाजपा सरकार यह नहीं जानती कि इस देश की रहने वाली जनता ही असली देश है यदि लोक हितकारी सरकार लोकतंत्र में जनता का कार्य नहीं करेगी तो उसका धार्मिक होना किस काम का है। यह सोचने की बात होगी कि धर्म के कंधों पर नस्ल या जातीय श्रेष्ठता का खेल, कभी फूस में चिंगारी का काम करके क्रांति का आह्वान कर सकता है।

जय हिंद!

PDA ने ली अंगड़ाई

बुलेटिन ब्यूरो

ली है पीडीए ने अंगड़ाई, भाजपा की शामत आई- समाजवादी पार्टी के इस नारे ने यूपी में पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों यानि PDA को मोतियों की माला की तरह एकजुट कर दिया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के आह्वान पर 26 जनवरी से शुरू हुए PDA जन पंचायत पखवाड़ा से पूरे उत्तर प्रदेश की सियासी फिजा में समाजवादी पार्टी की लहर दौड़ पड़ी। PDA जन पंचायत पखवाड़ा के दौरान समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को जिस तरह जनसमर्थन मिला उसने स्पष्ट कर दिया 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी विजय पताका फहराने जा रही है। PDA जन पंचायत पखवाड़ा की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें कार्यकर्ताओं के अलावा आमजन भी जुड़े और उन्होंने समाजवादी पार्टी की इस मुहिम का तहे दिल से स्वागत करते हुए उसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। आमजन का भारी समर्थन मिलते ही समाजवादी पार्टी का यह नारा भी सार्थक हो गया कि 2024 में भाजपा की शामत आने वाली है यानि प्रदेश से भाजपा के सफाये पर

जनता ने मुहर लगा दी है। आमजन का समाजवादी पार्टी के साथ उत्साहपूर्वक इस जनपंचायत के जरिये साथ से भी तय हो गया कि यूपी में इस बार लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी 80 में 80 सीटें जीतने जा रही है। जन पंचायतों के दौरान आमजन ने जिस तरह पीड़ा बयान की और बताया कि भाजपा राज में उनकी कमर टूट गई है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार की वजह से वे तबाह-बर्बाद हो गए हैं। अधिकारी-कर्मचारी मनमाने तरीके से जब चाह रहे हैं, जिसका भी मकान-दुकान ढहा दे रहे हैं और उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही।

भाजपा राज में पीड़ित आमजनों ने स्पष्ट जनादेश सुना दिया कि वे समाजवादी पार्टी के साथ हैं। PDA जन पंचायत पखवाड़ा के इस संदेश का व्यापक असर हुआ और आमजन ने बढ़चढ़कर PDA जन पंचायत पखवाड़ा को कामयाब बनाया।

गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जनपद कन्नौज के ग्राम फकीरे पुरवा से PDA जन पंचायत पखवाड़ा का शुभारंभ किया। PDA जन पंचायत पखवाड़ा के जरिये 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के पक्ष में जनमत तैयार कर भाजपा को सत्ता से हटाने के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आह्वान का असर यह रहा कि समाजवादी पार्टी का छोटा-बड़ा नेता-कार्यकर्ता इसमें जीजान से जुट गया। पखवाड़ा शुरू होते ही आमजन का समर्थन मिलना शुरू हुआ तो उत्साही कार्यकर्ताओं का मनोबल आसमान पर पहुंच गया।

दरअसल यह एक दिन में नहीं हुआ। काफी लंबे समय से समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों यानि PDA को एकजुट करने में लगे हुए हैं। आखिरकार, उनकी मेहनत रंग लाई और PDA यह समझ गया कि एकजुटता से ही उनका भला हो सकता है। यह श्री अखिलेश यादव की PDA की एकजुटता के लिए चलाई गई मुहिम का ही नतीजा है कि कई राज्यों को जातीय जनगणना कराने का फैसला करना पड़ा।

असल में श्री अखिलेश यादव पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों यानि PDA को यह बताने-समझाने में कामयाब हो गए कि आबादी के हिसाब से PDA को उनका सही और संविधान सम्मत अधिकार नहीं मिल रहा है। श्री अखिलेश यादव की नीति और नीयत साफ होने की वजह से बहुत जल्द PDA की समझ में यह बात आ गई कि एकजुटता के बिना उनका भला नहीं होने वाला। यह बात समझ में आते ही PDA एकजुट होकर समाजवादी पार्टी के पक्ष में आ गया। यही वजह रही कि जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने PDA जनपंचायत पखवाड़ा शुरू करने का ऐलान किया तो पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक यानि PDA ने एकजुट होकर समाजवादी पार्टी के पक्ष में हवा बहा दी।

PDA जनपंचायत पखवाड़ा की कामयाबी

के बाद भाजपा भी जान चुकी है कि अब यह वर्ग एकजुट हो चुका है। जाहिर है, भाजपा दूसरे तरीकों से समाज के सबसे अहम इस वर्ग को तोड़ने की कोशिशों की तरकीब में जुटेगी पर भाजपा की बड़ी मुश्किल अब यह है कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इस बार उसकी साजिशों का मुकाबला करने के लिए डटकर तैयार हैं।

PDA जनपंचायत पखवाड़ा की कामयाबी के दौरान ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने एक सर्वे के आंकड़े पेश कर भाजपा की नींद और हराम कर दी। इस सर्वे के आंकड़े ने PDA को भी चौंका दिया कि उनकी आबादी इतनी अधिक है और फिर भी वे अन्याय सह रहे हैं। अखिलेश यादव के अनुसार सर्वे बताता है कि PDA में विश्वास करने वालों की संख्या कुल मिलाकर 90 प्रतिशत है। 49 प्रतिशत पिछड़ों का विश्वास PDA में है। 16 प्रतिशत दलितों का विश्वास PDA में है।

21 प्रतिशत अल्पसंख्यकों का विश्वास PDA में (मुस्लिम + सिख + बौद्ध + ईसाई + जैन व अन्य + आदिवासी) है। चौंकाने वाली बात यह है कि सर्वे बताता है कि 4 प्रतिशत अगड़ों का विश्वास भी PDA में है। इसमें आधी-आबादी यानि महिलाएं भी शामिल हैं। जाहिर है, इतनी बड़ी आबादी वाला PDA इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा का सफाया करके ही मानेगा।

पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक यानि कि PDA की लोकसभा चुनाव से ऐन पहले यह अंगड़ाई उनके हक में शुभ संकेत भी है। यह सच है कि PDA का विरोध करने वाले जब सत्ता से बेदखल होंगे और PDA की ताकत और दखल सरकार में होगा तो उनका सम्मान-अधिकार भी आबादी के हिसाब से ही मिलेगा।

PDA जन पंचायत पखवाड़ा को इसलिए भी भरपूर जनसमर्थन हासिल हुआ क्योंकि आमजन भाजपा राज से परेशान है। किसान, मजदूर, नौजवान, छात्र, कर्मचारी, व्यापारी कोई भी वर्ग ऐसा नहीं है जोकि इस राज से प्रताड़ित न हो। बढ़ती महंगाई और महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार की वजह से परेशान तबका अब समझ चुका है कि यूपी में समाजवादी पार्टी ही सबसे बेहतर विकल्प है।

PDA जन पंचायत पखवाड़ा को इसलिए भी भरपूर जनसमर्थन हासिल हुआ क्योंकि आमजन भाजपा राज से परेशान है। किसान, मजदूर, नौजवान, छात्र, कर्मचारी, व्यापारी कोई भी वर्ग ऐसा नहीं है जो इस राज से प्रताड़ित न हो

PDA जन पंचायत पखवाड़ा में जिस तरह समाजवादी सरकार की उपलब्धियां बताई गईं तो आमजन को यह महसूस हो गया कि विकास के मामले में श्री अखिलेश यादव का कोई सानी नहीं है।

PDA जन पंचायत के दौरान समाजवादी पार्टी के नेताओं ने पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यकों यानि PDA की बातें तो सुनीं हीं, पीड़ित, परेशान हाल अगड़ों की समस्याओं पर भी उतनी ही गंभीरता से गौर किया। समाधान का भरोसा दिलाया। समाजवादी पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने PDA जन पंचायत के दौरान आमजन को यह बताया कि भाजपा किस तरह देश को नुकसान पहुंचाने में जुटी हुई है।

PDA की एकजुटता ने भाजपा को परेशान कर दिया है। वह समझ चुकी है कि 2024 में यूपी में उसका सूपड़ा साफ होने वाला है। यही वजह है कि उसे प्रत्याशी तय करने में नाकों चने चबाने पड़ रहे हैं। उसके सांसद भी अपनी हार सुनिश्चित जानकर चुनाव लड़ने से कतरा रहे हैं क्योंकि उनकी समझ में आ गया है कि वे अब PDA के खिलाफ चुनाव नहीं जीत सकते।

PDA जन पंचायत से यह बात उभरकर सामने आ गई है कि किसानों की नाराजगी, मणिपुर हिंसा, अभूतपूर्व महंगाई, चरम पर पहुंची बेरोजगारी, महिलाओं पर अत्याचार और अगड़ों के साथ भी हो रही नाइंसाफी ने भाजपा की दुर्गति की इबारत लिख दी है। ऐसे सूरते हाल में PDA की एकजुटता यूपी में नया इतिहास लिखने जा रही है।

गांव-गांव, शहर-शहर लाल टोपी

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के आह्वान पर 26 जनवरी से शुरू हुए PDA जन पंचायत पखवाड़ा मनाने गांव-गांव, शहर-शहर के लिए लाल टोपी पहनकर निकले समाजवादी पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने आमजन की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए संघर्ष का भरोसा दिलाया। PDA जन पंचायत पखवाड़ा को व्यापक जनसमर्थन मिलने से समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता काफी उत्साहित हैं।

PDA जन पंचायत पखवाड़ा के दौरान यूपी की हर गली, मोहल्ला, गांव, कस्बों में सिर्फ समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की लंबी-चौड़ी फौज ही दिखाई दी। गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जनपद कन्नौज के ग्राम फकीरे पुरवा से PDA जन पंचायत पखवाड़ा का शुभारंभ किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि आज से बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित भारतीय संविधान में उल्लिखित सामाजिक न्याय की अवधारणा को ताकत देने के लिए दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक समाज एवं पीड़ित लोगों के लिए यह पखवाड़ा आयोजित किया गया। PDA जन पंचायत पखवाड़ा के जरिये 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के पक्ष में जनमत तैयार कर भाजपा को सत्ता से हटाया जाना है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों एवं

महिलाओं हो रहे उत्पीड़न, शोषण तथा सामाजिक अन्याय के विरुद्ध PDA जन पंचायत पखवाड़ा के माध्यम से लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए समाजवादी पार्टी संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हम लोग देश को मजबूत बनाने का संकल्प ले रहे हैं। समाजवादी पार्टी के लोग देश की खुशहाली, विकास के लिए काम कर रहे हैं। समाजवादियों को जब भी मौका मिला, देश को खुशहाली के रास्ते पर ले जाने का काम किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज रिकार्ड तोड़ बेरोजगारी है। अभूतपूर्व महंगाई है। चौतरफा भ्रष्टाचार है। देश के सौहार्द को खत्म करने की साजिश हो रही है। देश की एकता, भाईचारा और एकता का तानाबाना तोड़ने का काम भाजपा कर रही है। किसान ठगा महसूस कर रहा है। किसानों को फसलों की सही कीमत नहीं मिल रही है। नौजवान नौकरी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। निराश हैं। सड़कों पर सांड घूम रहे हैं। जनता भाजपा सरकार से परेशान है। जनता ने PDA के साथ रहने का मन बना लिया है। PDA ही लोकसभा चुनाव में एनडीए को हराएगा।

26 जनवरी को PDA जन पंचायत पखवाड़ा का शुभारंभ होते ही समाजवादी पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ता टुकड़ियों में गांव, शहर के मोहल्लों में पहुंचे और वहां उन्होंने जन पंचायत की। यूपी के सभी जिलों में ये पंचायतें आयोजित की गईं। जन पंचायतों में आमजन की पीड़ा सुनी गईं और जनता को बताया गया कि किस तरह भाजपा राज में

'PDA
पिछड़ा दलित अल्पसं
चुनाव आयोग
मैं जिन्दा हूँ

महंगाई, बेरोजगारी बढ़ी है। महिलाओं की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ हो रहा है और यह सरकार बेवजह लोगों के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त कर रही है। नेताओं-कार्यकर्ताओं ने तफसील के साथ लोगों को बताया कि सरकार के इस जुल्म में पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक समाज के लोग तो निशाना बन ही रहे हैं, अगड़े भी बचे नहीं हैं। उनपर भी कम जुल्म-ज्यादती हो रही है। इसके लिए कानपुर सहित प्रदेश में हुई तमाम घटनाओं का जिक्र किया गया।

PDA जन पंचायत पखवाड़ा की कामयाबी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पंचायत में जुटे लोगों ने माना कि समाजवादी पार्टी में ही उनकी समस्या का समाधान करने की क्षमता, नीतियां, कार्यक्रम और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के पास विजन है इसलिए वे समर्थन देने समाजवादी पार्टी के लाल टोपी पहने कार्यकर्ताओं के साथ हो लिए। यूपी के कई जिलों में तो PDA जन पंचायत पखवाड़ा का आयोजन करने के लिए आमजन ने ही आगे आकर सभी तैयारियां कराईं।

PDA जन पंचायत पखवाड़ा में समाजवादी पार्टी का बड़े से लेकर छोटा नेता और कार्यकर्ता भी एकजुटता के साथ निकला और उसने समाजवादी सरकार की उपलब्धियां, कामकाज गिनाए और भाजपा राज के बारे में लोगों को जागरुक किया। जन पंचायत पखवाड़ा में समाजवादी पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने भाजपा राज में सताये हुए लोगों की समस्याएं सुनीं। जन पंचायत के दौरान पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों के अलावा अगड़े भी सामाजिक न्याय की इस लड़ाई में समाजवादी पार्टी के साथ डटकर खड़े नजर आए। लब्बोलुआब यह कि अपार जनसमर्थन मिलने से उत्साहित यह कारवां अब लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की जीत के साथ ही रुकेगा।

फोटो फीचर: PDA जन पंचायत

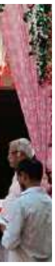

PDA
पखवाड़ा

इस बार
PDA
सरकार

रंजीत यादव
'PDA

PDA
पखवाड़ा

PDA यात्रा को मिला भरपूर जनसमर्थन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ की संविधान बचाओ-देश बचाओ समाजवादी PDA यात्रा ने 1400 किलोमीटर की दूरी तय कर गाजियाबाद में 1 फरवरी को अपना सफर पूरा किया। प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा राहुल भारती के नेतृत्व में यात्रा के 70 यात्रियों का गाजियाबाद में सफर पूरा होने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। 17 जनवरी को लखनऊ से शुरू हुई PDA यात्रा ने 2 प्रदेश के 14 जिलों में समाजवादी पार्टी की नीतियों, समाजवादी सरकार की उपलब्धियों के बारे में आमजन को बताया। PDA यात्रा को जगह-जगह भरपूर जनसमर्थन हासिल हुआ। यात्रा के समापन समारोह में पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव ने सभी 70 यात्रियों को माला पहनाकर व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।

लखनऊ, हरदोई, शाहजहांपुर, बदायूं, संभल, मुरादाबाद, बिजनौर, हरिद्वार, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ होते हुए गाज़ियाबाद पहुंची PDA यात्रा के समापन पर डा राहुल भारती ने बताया कि सफर के दौरान जिस तरह का प्यार-सम्मान पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों का मिला, उससे सभी यात्री उत्साहित हैं और उनका हौसला बढ़ा है। संकल्प भी दृढ़ हुआ है। उन्होंने बताया कि वे किसी न किसी शक्ल में इस यात्रा को तब तक जारी रखेंगे, जबतक भाजपा का सफाया न हो जाए।

समाजवादी पार्टी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ की संविधान बचाओ-देश बचाओ

समाजवादी PDA यात्रा को 17 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ से रवाना करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने विश्वास जताया कि यह PDA यात्रा लोगों को समाजवादी पार्टी से जोड़ने का काम करेगी। P D A यात्री पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों और पीड़ित अगड़ों को जोड़ेगी और समाजवादी आंदोलन को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संविधान और लोकतंत्र को खत्म कर रही है। PDA यात्रा और PDA पंचायत उसे बचाने का काम करेगी। PDA यात्रा के माध्यम से लोकतंत्र की रक्षा का संदेश गांव-गांव तक जाएगा। नए साल में परिवर्तन की आवाज उठी है। बदलाव होना तय है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी समाजवादी मूल्यों को बचाने का काम कर रही है। श्री यादव ने कहा कि कुछ पार्टियां समाज में जहर घोलने का काम कर रही है। नफरत फैला रही है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार से किसान-नौजवान सभी लोग दुःखी और परेशान हैं। महंगाई-बेरोजगारी से आम जनता त्रस्त है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण इनके 10 साल के कार्यकाल में आर्थिक तंगी और कर्ज के चलते एक लाख से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या कर ली। भाजपा सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को ऐसे रास्ते पर पहुंचा दिया है जहां नौकरियां खत्म हो रही हैं।

सपा ने सदन में जोर-शोर से उठाया PDA का मुद्दा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी ने विधानमंडल के सत्र में जोरदार तरीके से पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों यानी PDA का मुद्दा उठाया और उनपर हो रहे अत्याचार व अन्याय पर सरकार को जमकर घेरा।

2 फरवरी से 10 फरवरी तक चले विधानमंडल के सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी के सदस्य PDA की समस्याओं को लेकर काफी मुखर रहे। समाजवादी पार्टी के विधायकों ने सत्र के पहले दिन विधानसभा परिसर में स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष धरना प्रदर्शन कर सरकार की जनविरोधी नीतियों का विरोध किया। सदन में समाजवादी पार्टी के विधायकों ने महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे पर भाजपा सरकार का जमकर विरोध किया। जातीय जनगणना कराए जाने की मांग को लेकर सपा विधायकों ने सदन में जोरदार तरीके से आवाज बुलंद की मगर हर बार की तरह भाजपा सरकार ने इसे अनसुना कर दिया। समाजवादी पार्टी ने इस अहम मुद्दे पर सरकार की खामोशी पर कहा कि उसकी नीति और नीयत नहीं है कि जातीय जनगणना हो और पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों यानि PDA को उनका अधिकार मिल पाए।

सपा विधायकों ने स्पष्ट रूप से रेखांकित किया कि भाजपा सरकार डा भीमराव अंबेडकर के संविधान के खिलाफ काम कर रही है। पिछड़ों व दलितों को डा अंबेडकर ने आरक्षण की व्यवस्था की थी मगर भाजपा उसे खत्म करने पर तुली हुई है। समाजवादी पार्टी ने तर्क दिया कि विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में आरक्षण व्यवस्था का

पालन नहीं किया जा रहा है। कहीं पर 10 तो कहीं 5 प्रतिशत ही आरक्षण दिया जा रहा है। समाजवादी पार्टी ने किसानों की परेशानियों को भी जोरदार तरीके से उठाया। समाजवादी पार्टी ने कहा कि किसान विरोधी भाजपा के राज में किसानों से धान की खरीद नहीं की जा रही है। धान क्रय केंद्र भी ठीक जगह नहीं बनाएं गए हैं जिससे किसान परेशान हो रहा है।

समाजवादी पार्टी के विधायकों के सवालों पर भाजपा सरकार घिरती नजर आई। पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों यानि P D A की समस्याओं के अलावा समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर भी सरकार को जमकर घेरा। पटरी से उतर चुकी स्वास्थ्य सेवाओं पर भी समाजवादी पार्टी ने भाजपा सरकार की नाकामी का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की चरमरा गई व्यवस्था से परेशान मरीजों की आवाज बुलंद की। सपा विधायकों ने कहा कि विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च कर भाजपा सरकार यूपी की रंगीन तस्वीर दिखा रही है मगर हकीकत इससे काफी दूर है। सरकार की इससे बड़ी नाकामी क्या होगी आजतक वह बिजली उत्पादन का एक प्लांट नहीं लगा सकी। जितनी भी परियोजनाएं समाजवादी सरकार में शुरू हुई थीं, भाजपा उसे अपना बता रही है। यूपी की खस्ताहाल सड़कों, छुट्टा पशुओं और जर्जर रोडवेज बसों को लेकर भी समाजवादी पार्टी ने सरकार को जमकर घेरा।

PDA राष्ट्रीय विकल्प का क्रांतिकारी विचार

फोटो स्रोत : गूगल

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय जनता पार्टी और संघ परिवार की फासीवादी कॉरपोरेट लूट की नीतियों के विरुद्ध पीडीए यानी पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक राजनीति का सिद्धांत वास्तव में उत्तर प्रदेश का तृणमूल विचार है। अगर समाज का यह तबका 2024 के लोकसभा चुनाव में एकजुट हो गया तो यह न सिर्फ भारत में संवैधानिक लोकतंत्र को बचाने का काम करेगा बल्कि समाजवादी समाज के निर्माण में एक ठोस और गंभीर पहल करेगा। डॉ राम मनोहर लोहिया ने भारत विभाजन के गुनहगार में कहा भी है कि अगर आजादी की लड़ाई सवर्णों के नेतृत्व की बजाय पिछड़ों और दलितों के नेतृत्व में लड़ी गई होती तो शायद भारत विभाजन न होता। यानी सांप्रदायिकता से अगर समाज का कोई तबका वास्तव में लोहा ले सकता है तो वह है कि समाज का पिछड़ा और दलित वर्ग। जाहिर सी बात है देश के अल्पसंख्यक समाज का अस्तित्व ही एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष राज्य व समरसता पर आधारित समाज के साथ जुड़ा हुआ है

फोटो स्रोत : गूगल

इसलिए वह तो इस तरह के किसी गठबंधन का स्वाभाविक अंग है।

इस तरह से गठबंधन के निर्माण में सबसे बड़ी दिक्कत यह हुई है कि अब तक पिछड़ों के नाम पर कोई एक दबंग जाति, दलितों के नाम पर एक अगड़ी जाति और अल्पसंख्यकों के नाम पर उस समाज के संपन्न लोग आगे आकर सारा नेतृत्व और अधिकार हड़प लिया करते थे। इससे पीडीए समाज के विभिन्न गैर दबंग तबके कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा के साथ चले जाया करते थे। चूंकि वे पार्टियां सवर्णों के नेतृत्व वाली पार्टियां होती थीं इसलिए वे इस समाज को सत्ता और लूट में भागीदारी देकर उनके परिवर्तनकारी एजेंडे को या तो दबा देती थीं या पलट देती थीं। अगर यह कहें कि वे इन तबकों के क्रांतिकारी एजेंडे को प्रतिक्रियावादी बना देती थीं तो अतिश्योक्ति नहीं होगी।

बल्कि पिछड़ी जातियों, दलित जातियों या अल्पसंख्यक जातियों में जितना विभाजन होता नहीं था उससे कहीं ज्यादा विभाजन पैदा करके उसे प्रचारित किया जाता था। कभी कांग्रेस और अब भाजपा के माध्यम से चलने वाली सवर्ण राजनीति का एक घोषित एजेंडा होता था कि समाज के जातिगत और सामुदायिक विभाजन के अस्तित्व को नकारते हुए उसका चतुराई से इस्तेमाल किया जाए और फिर यह कहा जाए कि दलितों पर अत्याचार सवर्ण नहीं उनकी दबंग जातियां करती हैं और उससे भी आगे बढ़कर पिछड़ी जातियां करती हैं। इसके साथ यह भी प्रचारित किया जाता है कि अल्पसंख्यकों पर भी अत्याचार करने में सवर्ण नहीं बल्कि पिछड़ी और दलित जातियां आगे रहती हैं। बल्कि एक रणनीति के तहत उन्हें दंगों से लेकर और हिंदुत्व के एजेंडे का हिरावल दस्ता बनाया भी जाता रहा है। इस सोच में एक सीमित सच्चाई हो सकती है लेकिन वास्तव में यह वर्णव्यवस्था को बनाए रखने की एक चतुर राजनीति है और हिंदुत्व ने कॉरपोरेट के गठजोड़ से इसे बचाने का विश्वास भी प्राप्त कर लिया है।

भाजपा नीत एनडीए की इस चतुर और अलोकतांत्रिक राजनीति के चक्रव्यूह की कठिन चुनौती को भेदने का बीड़ा अगर पीडीए ने उठाया है तो उसे अपने को विचार, संगठन और प्रचारतंत्र से लैस होकर काम करना होगा। पीडीए की परिकल्पना में जो 49 प्रतिशत पिछड़े हैं उसमें यादव जाति के अलावा अन्य पिछड़ी जातियों को भी शामिल किया गया है। इसी तरह 16 प्रतिशत दलितों में सिर्फ जाटव जाति ही नहीं बल्कि अन्य दलित जातियों को भी शामिल किया गया है। ऐसे ही 21 प्रतिशत अल्पसंख्यकों में सिर्फ मुस्लिमों को ही नहीं

सिखों, बौद्धों, ईसाइयों, जैनों और आदिवासियों को भी शामिल किया गया है। यह फार्मूला डॉ राम मनोहर लोहिया की उस परिकल्पना से मिलता है जिसमें पिछड़ा की परिभाषा में स्त्री को भी शामिल किया गया है। साथ ही सवर्णों के 4 प्रतिशत लोगों को भी जोड़ा गया है। यानी यह एक इंद्रधनुषी परिकल्पना है जिसमें हिंदुत्व के नफरती एजेंडे की जमीनी काट मौजूद है।

पर सामाजिक-राजनीतिक गठबंधन के इस विचार को जिन शक्तियों से टकराना है वे धर्मसत्ता, राजसत्ता और अर्थसत्ता पर न सिर्फ काबिज हैं बल्कि उन्होंने उसे अपनी मुट्ठी में कैद कर रखा है। उन शक्तियों ने एक तरफ संविधान के प्रति दिखावटी निष्ठा ओढ़ रखी है तो भीतर से धर्म की तेज तलवार से उसे काटने की तैयारी कर रखी है। इन बाहरी प्रदर्शनों और साजिशी योजनाओं के समर्थन में धर्मग्रंथों के झूठ और आडंबर की शक्ति है तो दूसरी ओर अधिक से अधिक मुनाफा और भौतिकता का लोभ है।

पीडीए के समक्ष बड़ी चुनौती इन मिथकों को खारिज करना और उसकी जगह पर सत्य, न्याय और प्रेम पर आधारित समाज की कल्पना को पेश करना है। वह बुद्ध की कल्पना का समाज है, वह रैदास की कल्पना का बेगमपुरा का समाज है, वह मार्क्स की कल्पना का समाज है, वह गांधी की कल्पना का समाज है, वह डॉ भीमराव आंबेडकर की कल्पना का समाज है और वह डॉक्टर राम मनोहर लोहिया की कल्पना की समाज है। अगर एनडीए आर्थिक, सामाजिक गैर बराबरी और राजनीतिक कट्टरता और दमन पर आधारित समाज की कल्पना प्रस्तुत करता है तो पीडीए समता, न्याय, प्रज्ञा और करुणा पर आधारित समाज की कल्पना प्रस्तुत करता है। अगर एनडीए राज्य को दमनकारी और पक्षपाती बनाना चाहता है तो पीडीए राज्य को लोकतांत्रिक और मौलिक

फाइल फोटो

अधिकारों का आदर करने वाली संस्था बनाना चाहता है। यह वही टकराव है जिसे डा अंबेडकर समतामूलक बौद्ध समाज और विषमता पर आधारित गैर बौद्ध समाज के तौर पर और डॉ लोहिया हिंदू बनाम हिंदू समाज के टकराव के तौर पर देखते थे।

वास्तव में पीडीए को जिन शक्तियों से टकराना है वे हिंदुत्व की सर्वाधिक सगुण शक्तियां हैं। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में उन्होंने अयोध्या, काशी और मथुरा के बहाने गहरी किलेबंदी कर रखी है। उन्होंने अयोध्या में राममंदिर के बहाने पूरे देश के हिंदू समाज के मन में रामराज्य का भ्रम पैदा कर 2024 का चुनाव जीतने की योजना बना रखी है। इसी तरह वे काशी और मथुरा के सहारे आगामी चुनावों को जीतने का स्वप्न देख रहे हैं। इस योजना में कॉरपोरेट उनके साथ है। एक तरह से यह योजना महाराष्ट्र में जन्मे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और गुजरात के कॉरपोरेट की संयुक्त योजना है जिसका लक्ष्य भारत के पूर्वी हिस्से को पश्चिमी तट का और भारत के दक्षिणी हिस्से को उत्तरी हिस्से के अधीन लाना है। अयोध्या के आसपास की जमीनों की जिस बड़े पैमाने पर गुजरात के उद्यमियों ने खरीद की है वह इसका प्रमाण है। अलग अलग रूपों में यह धमक देश के तमाम हिस्सों में देखी जा सकती है।

पीडीए इस आंतरिक उपनिवेशवाद का लोकतांत्रिक और क्रांतिकारी जवाब है। चूंकि इस सामाजिक राजनीतिक गठबंधन की योजना उत्तर प्रदेश के प्रभावशाली नेता अखिलेश यादव ने बनाई है इसलिए इसका पहला दायित्व उत्तर प्रदेश के कॉरपोरेट हिंदुत्व से लड़ना है। इस विचार को लागू करने के लिए जाति जनगणना की मांग चल रही है।

जाति जनगणना से वह सामाजिक सच्चाई प्रकट होगी जो हिंदुत्व के मिथक और झूठ को तार तार करने की सामर्थ्य रखती है। यह सच्चाई उस झूठ को बेनकाब कर देगी जिसके तहत दलितों और पिछड़ों पर अत्याचार सवर्ण ही नहीं दलित पिछड़े ही करते हैं। इसके अलावा अल्पसंख्यकों पर बहुसंख्यक अत्याचार नहीं करते बल्कि अल्पसंख्यक बहुसंख्यकों पर अत्याचार करते हैं। पीडीए के इस विचार और रणनीति में उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरे देश में राजनीति को नया रूप देने की क्षमता है। लेकिन वह काम तभी हो सकता है कि जब बाकी राज्य और बाकी क्षेत्रीय दल भी इस रास्ते पर चलें क्योंकि सिर्फ एक प्रदेश में इस विचार और रणनीति को लागू करने से देश के बाकी हिस्सों से इसे तोड़ देने और इस पर कब्जा कर लिए जाने का खतरा बरकरार है। लेकिन अगर यह विचार देश के दूसरे हिस्सों से भी उठेगा और उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपना सुर मिलाएगा तो इस विचार के सशक्त होने और कामयाब होने की संभावना बढ़ेगी।

सपा कार्यालय पहुंची शालिग्राम शिला

पूजा और आरती से माहौल हुआ भक्तिमय

बुलेटिन ब्यूरो

इटावा में 10 एकड़ में निर्माणाधीन श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर में स्थापना के लिए समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर शालिग्राम भगवान की शिला नेपाल से पहुंची तो उसका विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। शिला पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गई। समाजवादी पार्टी कार्यालय में भक्ति और उत्सव का माहौल बन गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर अहिरवा नृत्य व राधा कृष्ण संवाद पर मुरली वादन के आकर्षण से समां बंध गया।

इटावा में श्री केदारेश्वर मंदिर का निर्माण 10

एकड़ क्षेत्र में हो रहा है। यह मंदिर भगवान केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति होगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की यह महत्वाकांक्षी योजना है और उनकी आस्था का मुख्य परिचायक है।

12 फरवरी की देर रात श्री केदारेश्वर मंदिर की स्थापना के लिए भगवान शालिग्राम की ये पवित्र शिलाएं समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर पहुंचीं। 13 फरवरी को इसका विधिवत पूजन किया गया। पुजारी पंडित लालता प्रसाद शुक्ल के मंत्रोच्चारण के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव, सांसद श्रीमती डिंपल यादव तथा सांसद श्रीमती जया बच्चन ने पवित्र शिला के समक्ष नारियल फोड़े, आरती की तथा भोग लगाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव सहित बड़ी संख्या में विधायक, पार्टी पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री शालिग्राम भगवान का आगमन देश-प्रदेश के लिए मंगलकारी एवं जन-जन के लिए कल्याणकारी हो, इस पावन कामना के साथ हृदय से देवशिला का स्वागत है।

पवित्र शालिग्राम की शिला को आंध्र प्रदेश के श्रीमधु बोट्टा तथा जौनपुर के श्री कृपाशंकर नेपाल से लेकर लखनऊ पहुंचे। उन्होंने बताया कि नेपाल की काली गंडकी नदी में ही ऐसी देवशिलाएं मिलती हैं। ये देवशिला 7 फीट ऊंची 6 फीट चौड़ी तथा 13 टन वजनी है।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में देवशिला के पहुंचने पर उत्सव एवं समारोह का माहौल था। शिला पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए तांता लग गया। इस शुभ अवसर पर अहिरवा नृत्य का भी आयोजन हुआ जिसका संयोजन पन्ने लाल यादव साहबगंज प्रतापगढ़ ने किया। उनके साथ सर्वश्री राम बरन यादव, सियाराम, गुरदीन, रामजस व राम सुख पाल ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इनमें राधा कृष्ण संवाद पर मुरली वादन आकर्षण का केंद्र रहा।

शिला पूजन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सर्वश्री माता प्रसाद पांडेय, रामजीलाल सुमन, राजेन्द्र चौधरी, नरेश उत्तम पटेल, पवन पांडेय, मनोज पांडेय, अवधेश प्रसाद, ओम प्रकाश सिंह, इंद्रजीत सरोज, राकेश प्रताप सिंह, शाहिद मंजूर, शहजिल इस्लाम, संदीप सिंह पटेल, आशु मलिक, अभय सिंह, जयप्रकाश अंचल, अरविन्द कुमार सिंह, महेन्द्र नाथ यादव, कमलाकांत राजभर, आशुतोष मौर्य राजू, हिमांशु यादव, राम सिंह पटेल, अनिल कुमार प्रधान, बृजेश कठेरिया, पंकज पटेल, सचिन यादव आदि के अलावा शांति स्थापना मिशन की अपर्णा जैन तथा नीतेन्द्र यादव उपस्थित रहे।

विश्लेषण

बजट
हकीकत कुछ फसाने कुछ और

फोटो स्रोत : गूगल

प्रेम कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

योगी आदित्यनाथ की सरकार ने घोषणा की है कि उत्तर प्रदेश में राम राज्य है और अब यह बीमारू राज्य नहीं रहा। जंगल राज खत्म कर दिया गया है। प्रदेश को वन ट्रिलियन की इकॉनोमी बनाने की तैयारी है। 6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। बेरोजगारी लगभग खत्म हो चुकी है। महज 2.4% बेरोजगारी की दर है। इन्वेस्टर समिट में 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। लेकिन, बड़ा सवाल यही है कि क्या ये दावे सच हैं? या फिर, यह आंकड़ों की बाजीगरी है?

7.46 लाख करोड़ के बजट को समझना हो तो इसे ऐसे समझें। इस बजट में महज 24,863.57 करोड़ रुपये की नयी योजनाएं लागू करने का एलान हुआ है। यह पूरे बजट का कितना हिस्सा है? महज 3.3 प्रतिशत! यह आंकड़ा अपने आप में यह बताने के लिए काफी है कि यूपी का बजट कितना विकासोन्मुख है।

2.04 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय रखा गया है। कुल खर्च का यह 21 प्रतिशत है। सारी उम्मीद इसी से जोड़ दी जाती है। इन्फ्रास्ट्रक्चर के नाम पर रोजगार पैदा होने की उम्मीद भी यहीं से जुड़ी है। मगर, सच यह है कि बीते बजट में भी ऐसे ही दावे किए गये थे। लेकिन, क्या रोजगार मिले या इसके लिए अवसर बढ़े? जवाब ठोस नहीं मिलता। इसका मतलब यह है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर के नाम पर इस खर्च से रोजगार की गारंटी नहीं है।

कुछ परियोजनाओं और उन पर आवंटन

- गंगा एक्सप्रेसवे प्रॉजेक्ट के लिए 2057 करोड़
- लिंक एक्सप्रेस वे के लिए 500 करोड़
- एग्रो मेट्रो के लिए 346 करोड़
- अटल इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के लिए 400 करोड़
- सोलर पावर के लिए 2 2 हजार मेगावाट का लक्ष्य
- 3,948 करोड़ रुपये की लागत से पीएम आवास योजना
- पीएम ग्राम सड़क योजना के लिए 3,668 करोड़ रुपये

बजट से PDA नदारद

बुलेटिन ब्यूरो

केंद्र व उत्तर प्रदेश के बजट में पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों यानि PDA की अनदेखी करने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने नाराजगी का इजहार किया है। उन्होंने साफतौर पर कहा कि अगर कोई भी बजट विकास के लिए नहीं है और कोई भी विकास अगर जनता के लिए नहीं है तो वह बिल्कुल ही व्यर्थ है। यूपी के बजट से 90 प्रतिशत PDA के नदारद रहने पर भी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गहरी आपत्ति जताई।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने एक फरवरी को देश की संसद में प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह भाजपा का विदाई बजट है। भाजपा सरकार ने जनविरोधी बजटों का एक दशक पूरा करके एक शर्मनाक रिकार्ड बनाया है जोकि फिर कभी नहीं टूटेगा क्योंकि अब सकारात्मक सरकार के आने का समय हो चुका है।

श्री यादव ने कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है लेकिन भाजपा सरकार को महंगाई नज़र नहीं आ रही है। यह जनता के साथ धोखा है। भाजपा सरकार ने जनता को झूठे सपने दिखाने का शिगूफा जारी रखा है। बजट से किसान, नौजवान, गरीब, कर्मचारी सभी निराश हैं।

यूपी की भाजपा सरकार ने 5 फरवरी को राज्य का बजट प्रस्तुत किया और उसमें आबादी के 90 प्रतिशत PDA के लिए कोई प्रावधान न होने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह सिर्फ 10 प्रतिशत संपन्न लोगों का बजट है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार हर बार ये दावा करती है कि बड़ा बजट आ रहा है। बजट केवल नाम का नहीं, काम का आना चाहिए। यूपी का यह बजट गुमराह करने वाला और विजनलेस है। झूठा इंसान अपने अलावा किसी को धोखा नहीं देता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब तक गैर बराबरी खत्म नहीं होगी तो सबका साथ कैसे होगा? यह बजट केवल 10 प्रतिशत सम्पन्न लोगों के लिए बना है। 90 प्रतिशत पीडीए के लिए यह बजट नहीं है। इस बजट से गैर बराबरी बढ़ेगी। अमीर-गरीब के बीच दूरी बढ़ेगी।

श्री यादव ने कहा कि केन्द्र और राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकारें हैं। भाजपा को हिसाब देना चाहिए कि दिल्ली के 10 साल और उत्तर प्रदेश के 7 साल में क्या हुआ। अभी भी सड़कों पर गड्ढ़े नहीं भरे गए हैं लेकिन भारी बजट खर्च हो गया है। नौकरी नहीं, रोजगार नहीं और किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। श्री यादव ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की बात करते है, इस उत्तर प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नहीं, ईज ऑफ डूइंग क्राइम, करप्शन चल रहा है। ईज ऑफ डूइंग चीटिंग चल रही है।

गरीबों को क्या मिला?

आखिरी दो योजनाओं को छोड़कर बाकी योजनाओं का लाभार्थी वर्ग संपन्न तबका है। सबसे निचले पायदान पर रह रहे लोगों के लिए बजट में क्या है? यह बड़ा सवाल है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बजट को देखने का बहुत सही तरीका बताया है। बजट का आकार क्या है, यह पहले से कितना बड़ा है यह कोई मायने नहीं रखता। अगर पिछड़े, दलित और आदिवासियों के लिए प्रावधान नहीं किए गये हैं तो बजट का कोई मतलब नहीं है।

किसानों को मुफ्त पानी मिले इस पर 1100 करोड़ रुपये का खर्च काबिले तारीफ है। मगर, क्या वास्तव में किसानों को मुफ्त पानी मिलेगा या फिर उनसे रकम वसूली जाएगी?- यह बड़ी चिंता है। यूपी सरकार गर्व से घोषणा करती है कि कृषि क्षेत्र से उसे 5.1% विकास दर प्राप्त हो रही है। मगर, क्या किसानों की आमदनी में इसी दर से बढ़ोतरी हुई है? उत्तर नकारात्मक है। फिर कृषि क्षेत्र में विकास का फायदा किसे मिल रहा है?

बजट में दावा किया गया है कि दिसंबर 2023 तक 2.62 करोड़ किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 63 हजार करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गये हैं। लेकिन, बड़ा सवाल यह है कि इस रकम का इस्तेमाल क्या किसान खेती-किसानी में कर पाए हैं? अगर नहीं, तो इस पूरी योजना का प्रयोजन क्या है?

बीमित किसान फायदे में हैं या बीमा कंपनियां?

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 10 लाख बीमित किसानों को 2022-23 में 831 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया। इसका मतलब यह है कि बीमित किसानों को औसतन 8310 रुपये प्रति किसान बीमा का लाभ मिला। लेकिन, करोड़ों किसानों को बीमा के बदले बीमा कंपनियों को कितना लाभ पहुंचाया गया? इस पर पूरी तरह से खामोशी है।

2016-17 में 16,348 मेगावाट बिजली वितरित हो रही थी जो बढ़कर 2022-23 में 28,900 मेगावाट हो चुकी है। अगले वर्ष यह 31,500 मेगावाट तक हो जाएगी। मगर, बड़ा सवाल यह है कि आम लोगों को और खासकर गरीब तबके को बिजली सस्ती मिल रही है कि नहीं?

बजट में योगी सरकार का दावा है कि 96 लाख एमएसएमई में से 22 लाख एमएसएमई योजनाओं के लाभार्थी हैं। यही दावा प्रदेश में लघु और मध्यम उद्योग की दुर्दशा भी बताता है। सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला यह सेक्टर मदद की उम्मीद कर रहा है। इन्हें आगे बढ़कर मदद करने की जरूरत है। लेकिन एमएसएमई वर्ग के लिए मदद की कोई नयी योजना लेकर योगी सरकार सामने नहीं आ सकी है।

प्रदेश सरकार स्वयं दावा कर रही है कि यूपी में 8.32 करोड़ श्रमिक ई-श्रम पोर्टल से जुड़े हुए हैं। ये श्रमिक असंगठित हैं और इनके पास नौकरी भी स्थाई नहीं होती। सवाल यह है कि ऐसे श्रमिकों की मदद के लिए सरकार योजना लेकर क्यों नहीं आती?

यूपी में 6 करोड़ लोगों के गरीबी रेखा से ऊपर आने का सच

प्रदेश के 6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है। सवाल ये है कि आखिर सरकार की किस पहल से ऐसा हुआ है? या फिर ये सिर्फ आंकड़े हैं। गरीबी रेखा से ऊपर उठने में आखिर कौन सी योजना कारगर हुई है? नौकरी मिल नहीं रही है और आमदनी का जरिया विकसित नहीं हो रहा है। ऐसे में गरीबी रेखा से ऊपर उठने की कोशिश में गरीब तबका सफल हो तो कैसे? प्रदेश में 9 करोड़ लोगों के पास जन-धन अकाउंट है। क्या गरीबी रेखा से ऊपर आए लोग इन 9 करोड़ में शामिल हैं? या फिर वे अतिरिक्त हैं? इसी तरह देश के किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत 63 हजार करोड़ मिले हैं। लेकिन, बड़ा सवाल यही है कि किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों की संख्या घटती क्यों जा रही है?

24 मार्च 2023 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया था कि बीते 6 साल में 5.5 लाख लोगों को रोजगार दिया गया। उससे पहले अपनी सरकार के साढ़े चार साल पूरे होने पर उन्होंने कहा था कि 4.5 साल में 4.5 लाख रोजगार उनकी सरकार ने दिया। रोजगार चाहने वाली आबादी की तुलना में ये आंकड़े बहुत छोटे हैं। सीएमआईई की 2022 की रिपोर्ट कहती है कि उत्तर प्रदेश में रोजगार चाहने वालों की कुल आबादी 2.12 करोड़ (14%) से बढ़कर 17.07 करोड़ हो गयी है। पांच साल पहले यह 14.95 करोड़ हुआ करती थी। इसका मतलब यह है कि नौकरी इतनी कम उपलब्ध है कि लोगों ने रोजगार खोजना ही कम कर दिया है। वे अपने-अपने घरों मे बैठ गये हैं। स्पष्ट है कि रोजगार और बेरोजगारी को लेकर योगी सरकार की ओर से किए जा रहे दावे सही नहीं लगते। रामराज्य अब भी सपना है जिसे हकीकत बताकर लोगों को छला जा रहा है।

किसानों के आंदोलन को सपा का समर्थन

बुलेटिन ब्यूरो

आंदोलित किसानों की मांगों का समर्थन कर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि समाजवादी पार्टी ही किसानों की एकमात्र हितैषी है। श्री अखिलेश यादव ने उनपर हो रहे सरकारी जुल्म का कड़ा विरोध किया है। किसानों की मांगों के समर्थन में श्री अखिलेश यादव ने उनके लिए एक संदेश भी जारी किया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार कभी किसानों के साथ न्याय नहीं कर सकती। भाजपा की नीतियां हमेशा किसान विरोधी और पूंजीपरस्त रही है। भाजपा सरकार में न तो किसानों का खेत सुरक्षित है, न फसल और न ही सम्मान। मांगों को लेकर दिल्ली जा रहे किसानों पर भाजपा सरकार ने जिस तरह का बर्बर व्यवहार किया, इसकी दूसरी मिसाल नहीं मिलती।

सरकार किसानों की आवाज दबाने के लिए हर तरह का हथकंडा अपना रही है। पहले तो भाजपा ने किसानों के साथ झूठे वायदे करके धोखा दिया और अब आंदोलित किसानों पर आसूं गैस के गोले और लाठियां बरसा कर भाजपा सरकार ने बर्बरता की हद पार कर दी। किसानों के साथ हमेशा से भाजपा सरकारों का रवैया इसी तरह से दुर्व्यवहार और अत्याचार करने का रहा है। देश का किसान भाजपा सरकार में शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी नहीं कर सकता है, देश में तानाशाही है क्या?

16 फरवरी को श्री अखिलेश यादव ने किसान भाइयों को संबोधित अपने संदेश में कहा कि 'इलेक्टोरल बॉन्ड' को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा असंवैधानिक घोषित किये जाने से किसान आंदोलन के अंदर एक नई ऊर्जा आई है क्योंकि इन तथाकथित राजनीतिक चंदों के नाम पर जो लोग पिछले दरवाज़े से भाजपा की हथेली गरम करके खेती-किसानी से जुड़े कारोबारों पर क़ब्ज़ा करके अपना व्यापारिक स्वार्थ साधना चाहते थे, अब वे भाजपा को चंदा नहीं देंगे। भाजपा पैसे के लालच में गांव, ग़रीब, किसान, मज़दूर का जो हक़ मार रही थी, वह सब अब धीरे-धीरे ख़त्म होगा।

अब ये बात किसानों-मज़दूरों व भाजपा विरोधी लोगों द्वारा देश के हर गांव, गली, मोहल्ले तक पहुंचनी चाहिए कि 'भ्रष्ट भाजपा' कैसे अमीरों से पैसे लेकर आम जनता के ख़िलाफ़ साज़िश रचती है और भावनात्मक रूप से भोली-भाली आम जनता का शोषण करके अपना स्वार्थ साधती है। पैसे लेकर सवाल पूछने के झूठे आरोपों पर जब किसी सांसद की सदस्यता जा सकती है तो पैसे लेकर किसान-मज़दूर विरोधी नीतियां बनाने पर तो भाजपा के सभी सांसदों की सामूहिक सदस्यता चली जानी चाहिए। 'मुट्ठी भर राशन बांटकर खेत लूटने वाली भाजपा' का मुखौटा अब उतर गया है। जनता जीतेगी, भाजपा हारेगी। हम सब साथ हैं।

श्री अखिलेश यादव ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट भाजपा से 'इलेक्टोरल बॉन्ड' के साथ-साथ किसान आन्दोलनों में हुई किसानों की मौत का भी हिसाब मांगे। किसान देश का अन्नदाता है। देश की अर्थव्यवस्था में कृषि रीढ़ है। जीवन देने वाले किसानों का अपमान जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। किसानों के आक्रोश की आंधी में भाजपा सरकार के अंत का अब समय आ गया है।

फोटो स्रोत : गूगल

अखिलेश के सवालों पर सरकार निरुत्तर

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नेता विरोधी दल श्री अखिलेश यादव के विधानसभा में दिए गए सारगर्भित भाषण के सामने भाजपा सरकार हिल गई। उनके तर्कों, तरकश से निकले सवालों के सामने पूरी सरकार निरुत्तर हो गई।

राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए श्री अखिलेश यादव ने ऐसे-ऐसे तार्किक और तथ्यपरक प्रश्न किए जिसका भाजपा सरकार के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने सत्ता पक्ष से सवाल पूछा कि जो सरकार एक ट्रिलियन डॉलर अर्थ व्यवस्था की बात करती है, वह वन बिलियन असत्य बात कहकर भी एक ट्रिलियन तक नहीं पहुंच सकी।

उन्होंने सरकार को आईना दिखाते हुए कहा कि लोकराज, लोकलाज से चलता है पर भाजपा सरकार में यह दिखता नहीं है। राज्यपाल के अभिभाषण में सरकार के कामकाज के नंबर वन बताए जाने पर भी श्री अखिलेश यादव ने भाजपा को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि वह बताते हैं कि सरकार में किसमें नम्बर वन है। इसके बाद वह रौ में बोले और सरकार के मुखिया व मंत्रीगण बगलें झांकने लगे।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सबसे अधिक संख्या में कार्यवाहक डीजीपी बनाने में नबर वन है, छुट्टा पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं में नंबर वन है, रोजगार मांगने पर लाठी

बरसाने में नंबर वन, लगी लगाई नौकरी छीनने मे नंबर वन, भू माफियाओं को सत्ता संरक्षण में नंबर वन है, पी डी ए को लगातार प्रताड़ित करने में नंबर वन है और अपने मुकदमों को हटाने में नंबर वन है।

उन्होंने सरकार पर सवाल दागा कि वह कहती है कि एक दिन में दो पुल बनते हैं तो वह बताए कि उसने कोई एक नई किसान मंडी बनाई। बताए कि एग्रीकल्चर का मिला पैसा कहां गया। उन्होंने कहा कि सेना की पक्की पेंशन वाली नौकरी हमारे गांव की अर्थव्यवस्था की रीढ़ थी लेकिन खेती किसानी अब आधे रह गए हैं। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि में किसानों की संख्या घटाई जा रही है तो क्या सरकार बताए कि क्या इसी किसान सम्मान निधि से ही आय दोगुनी हो जाएगी?

उन्होंने कहा कि जो सरकार नौकरी देने की बात कहती थी, वह अग्निवीर जैसी व्यवस्था लागू कर रही है। उत्तर प्रदेश इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। सेना में हर वर्ष 70000 जवान भर्ती होते थे लेकिन ये जानबूझकर किया गया जिससे पीडीए में खुशहाली न आ सके।

उन्होंने जातीय जनगणना की वकालत करते हुए कहा कि बिना सभी को साथ लाए, विकास संभव नही है। इसके लिए सामाजिक न्याय करना होगा, इसके लिए जातीय जनगणना जरूरी है। किसानों को भूमि अधिग्रहण के बाद उचित मुआवजा न देने पर भी श्री अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा।

अखिलेश के दौरों में उमड़ रही भीड़

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव पर समाज का भरोसा बढ़ा है और लोग यह मान चुके हैं कि सूबे में श्री अखिलेश यादव जैसा संवेदनशील और विजन रखने वाला नेता दूसरा कोई नहीं है। यूपी के जिलों के दौरों के दौरान जिस तरह श्री अखिलेश यादव के समर्थन में जनसैलाब उमड़ रहा है, वह यह बताने के लिए काफी है कि श्री यादव की लोकप्रियता का ग्राफ काफी ज्यादा बढ़ा है और आमजन उनके साथ मजबूती के साथ खड़ा है। जनसैलाब का भरपूर समर्थन बता रहा है कि 2024 में यूपी में समाजवादी पार्टी की लहर चल रही है।

8 फरवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव वाराणसी के दौरे पर थे। उन्होंने यहां संकट मोचन मंदिर के महंत श्री विश्वम्भर नाथ मिश्र की माताजी को श्रद्धांजलि देने के साथ शोकाकुल परिवार से संवेदना व्यक्त की। पूर्व विधायक श्रीमती पूनम सोनकर के पुत्र एवं पूर्व मंत्री श्री सुरेन्द्र सिंह पटेल के पुत्र के विवाह में शरीक होकर वर वधू को आशीर्वाद दिया। वाराणसी में श्री अखिलेश यादव के समर्थन में भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। उनकी झलक पाने और उनके समर्थन में नारे लगाते हुए युवाओं की भीड़ बता रही थी कि इस बार लोकसभा चुनाव में यूपी की फिजा समाजवादी पार्टी के पक्ष में है।

यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के दस साल के कार्यकाल में आर्थिक तंगी और गरीबी के कारण एक लाख किसानों ने आत्महत्या कर ली। गांवों में 90 फीसदी नौजवान बेरोजगार है। भाजपा सरकार ने नौजवानों को नौकरियां नहीं दीं। जिनकी नौकरियां थीं उसे छीन लिया। बेरोजगारी की स्थिति भयावह है। मजबूर होकर यूपी का नौजवान काम की तलाश में युद्धग्रस्त देश जाने पर मजबूर है। श्री यादव ने कहा कि जो लोग ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की बात करते हैं उन्होंने नौजवानों को डिलीवरी ब्यॉय बना दिया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ईडी, सीबीआई, आईटी आदि केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या कर रही है। संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही है। समाजवादी पार्टी लोकतंत्र और संविधान को मानती है लेकिन भाजपा सत्ता के लिए किसी हद तक जा सकती है। सत्ता में बने रहने के लिए बेईमानी की सारी हदें पार कर दी है। भाजपा सरकार देश की जनता को बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के संविधान के अनुसार हक और सम्मान नहीं देना चाहती है। सत्ता में बैठे लोग संविधान के अनुसार काम नहीं कर रहे हैं।

उससे पहले 3 फरवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बलरामपुर, गोण्डा और बाराबंकी दौरे पर रहे। बलरामपुर में पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ एस.पी. यादव के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार के प्रति

शोक संवेदना व्यक्त किया।

जिलों के दौरों के दौरान श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए के 90 प्रतिशत आबादी वाले दुःखी हों तो पुण्य का काम कैसे होगा? भाजपा सरकार में जमीन घोटाले हो रहे हैं। भाजपा भू माफियाओं की पार्टी है। बलरामपुर, गोण्डा और अयोध्या में जमीनें छीनी जा रही हैं। लोगों को उनकी जमीन का वाजिब मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। पीडीए के 90 प्रतिशत लोग दुःखी हैं, उनके साथ अन्याय और अत्याचार हो रहा है।

श्री यादव ने कहा कि बेरोजगार नौजवान इजरायल जा रहे हैं और अग्निवीर कपड़े उतार कर आंदोलन कर रहे हैं। भाजपा सरकार में सभी परेशान और दुःखी हैं। जब पीडीए के 90 प्रतिशत लोग भाजपा सरकार से उपेक्षित हैं तो फिर भाजपा सरकार कहां बच पाएगी? श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी भूमाफिया पार्टी बन गई है। कोई जिला नहीं बचा जहां बड़े पैमाने पर भूमाफिया काम न कर रहे हों।

31 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव मैनपुरी के दौरे पर रहे। यहां भी उनकी झलक पाने को जनसैलाब उमड़ पड़ा। यहां उन्होंने पत्रकारों से कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव लोकतंत्र बचाने का है। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को बचाने का चुनाव है। समाजवादी पार्टी पीडीए को एकजुट कर रही है। लोकसभा चुनाव में पीडीए ही भाजपा के एनडीए को हराएगा।

अखिलेश से ही आस

बुलेटिन ब्यूरो

भाजपा राज में परेशान और पीड़ित समाज के विभिन्न तबकों को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से ही मदद की आस है। समाज का विभिन्न तबका अपनी परेशानियों को लेकर समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पहुंचकर श्री अखिलेश यादव से लगातार मदद की गुहार लगा रहा है।

22 जनवरी को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की छात्राओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर पहुंचकर श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में छात्राओं के साथ मारपीट और फर्जी केस में फंसाने का आरोप लगाते हुए मदद करने की अपील की गई।

समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती जूही सिंह एवं उपाध्यक्ष सुश्री नेहा यादव के नेतृत्व में आईं छात्राओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को बताया कि एक नवंबर 2023 की रात बीएचयू परिसर में गैंगरेप की घटना हुई। पीड़िता को न्याय की मांग को लेकर बीएचयू में प्रदर्शन हुआ तो पुलिस और सरकार ने लीपापोती कर मामले को खत्म कर दिया। न्याय दिलाने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी छात्र-छात्राओं के साथ एबीवीपी के लोगों ने मारपीट की और हम छात्र-छात्राओं के खिलाफ गंभीर धाराओं में झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया गया। छात्राओं पर एससी एसटी जैसी गंभीर धाराएं लगायी गयीं।

गैंगरेप घटना में शामिल तीनों अपराधियों के भाजपा के बड़े नेताओं से संबंध हैं। उनके साथ तस्वीरें हैं। भाजपा सरकार में पूरे मामले में लीपापोती कर अपराधियों को बचाने की कोशिश जारी थी। शांतिपूर्ण तरीके से न्याय दिलाने की मांग करने वाले

छात्रों को धमकाया जा रहा है। छात्राओं के प्रतिनिधिमंडल ने पीड़िता के लिए न्याय के साथ छात्रों पर लगाए गए झूठे केस खत्म किए जाने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि बीएचयू कैंपस में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उचित प्रकाश, बस सेवा और सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था हो। बीएचयू में मेस फीस कम करने व लैंगिक भेदभाव वाले सभी नियमों को तत्काल खत्म करने के अलावा और भी तमाम मांगें शामिल हैं। श्री अखिलेश यादव ने छात्र-छात्राओं को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों को लेकर समाजवादी पार्टी उनके साथ है।

29 जनवरी को कोविड-19 कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर उन्हें अपनी समस्याएं बताईं। प्रतिनिधिमंडल ने एक ज्ञापन सौंपकर कोविड- 19 महामारी के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश में नियुक्त किए गए कर्मचारियों को एनएचएम में समायोजित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में बताया कि मध्य प्रदेश और हरियाणा की सरकार ने कोविड-19 के दौरान नियुक्त कर्मचारियों को समायोजित किया है लेकिन यूपी की योगी सरकार उन्हें समायोजित करने में आनाकानी कर रही है।

कर्मचारियों ने श्री अखिलेश यादव से अनुरोध किया कि वह उन कर्मचारियों को एनएचएम में समायोजित कराने के लिए प्रयास करें। श्री अखिलेश यादव ने उन्हें मदद का भरोसा दिया।

मदद को बढ़ाए हाथ

बुलेटिन ब्यूरो

समाज के किसी भी तबके पर कोई विपदा आ जाए तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव द्रवित होकर यथासंभव उनकी मदद के लिए हाथ बढ़ा देते हैं। सभी के दुख को अपना दुख समझने वाले श्री अखिलेश यादव लगातार लोगों की हर संभव मदद करने में जुटे हुए हैं।

2 नवंबर 2023 को कानपुर देहात के विश्वकर्मा परिवार के दो भाइयों की निर्मम हत्या पर मामले का संज्ञान लेकर श्री अखिलेश यादव ने पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व मंत्री श्री रामआसरे विश्वकर्मा के नेतृत्व में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल हत्याकांड की जांच करने के लिए कानपुर देहात के थाना गजनेर के गांव निनायां भेजा था।

प्रतिनिधिमंडल की जांच रिपोर्ट का संज्ञान लेकर तथा पूर्वमंत्री राम आसरे विश्वकर्मा के अनुरोध पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने गरीब परिवार को एक लाख रुपए का चेक प्रदान किया। 26 जनवरी 2024 को समाजवादी पार्टी कानपुर देहात के कार्यालय में अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिलाध्यक्ष छोटे सिंह विश्वकर्मा तथा समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष बब्लू यादव, पूर्व मंत्री भगवती सागर, पूर्व सांसद राजाराम पाल, पूर्व जिलाध्यक्ष वीरसेन यादव, मनु यादव, भारत विश्वकर्मा ने परिवार को चेक सौंपा।

5 फरवरी को श्री अखिलेश यादव ने महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती जूही सिंह, श्रेया वर्मा तथा श्री अयाज खां चेयरमैन बेलहरा कुर्सी बाराबंकी की मौजूदगी में मेधावी छात्रों को लैपटॉप देते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया और उनसे पढ़कर देश-प्रदेश व परिवार का नाम रौशन करने को कहा।

सपा ने बनाई मजबूत बूथ प्रबंधन की रणनीति

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जोर-शोर से जुटे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं के साथ लगातार बैठक कर चुनावी रणनीति बनाने-समझाने में जुटे हुए हैं। बैठकों में श्री अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं को बता रहे हैं कि भाजपा ने जनता से किए एक भी वायदे पूरे नहीं किए हैं इसलिए जनता भाजपा से नाराज है और समाजवादी पार्टी के साथ खड़ी है। इस चुनाव में एनडीए को पीडीए परास्त करने के लिए तैयार है इसलिए बूथ प्रबंधन मजबूत रहना चाहिए।

बैठकों के जरिये बूथों पर डटकर समाजवादी पार्टी के पक्ष में वोट कराने की रणनीति समझाते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बता रहे हैं कि बूथों पर भाजपा की साजिश व धांधली पर नजर रखते हुए डटना होगा। अगर भाजपा की साजिशों को समाजवादी पार्टी ने रोक लिया तो जनसमर्थन के बल पर इस बार यूपी से भाजपा का सफाया तय है।

समाजवादी पार्टी के पक्ष में यूपी में चल रही लहर के बीच समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर यूपी के कार्यकर्ता लगातार पहुंच रहे हैं और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव उन्हें चुनाव में जीत के लिए बूथ प्रबंधन के गुर बता रहे हैं।

23 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में डॉ राममनोहर लोहिया सभागार में लखनऊ जनपद के नेताओं, कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों की बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के कारण विकास अवरुद्ध है। लोकतंत्र से खिलवाड़ किया जा रहा है और संविधान खतरे में है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जनता त्रस्त है। अपराध बढ़ रहे हैं, लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। महिलाएं रोज अपमानित हो रही हैं। जनता का हर वर्ग परेशान है और अब भाजपा से मुक्ति चाहता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता की निगाह एनडीए-भाजपा के मुकाबले पीडीए-इंडिया पर है। पीडीए में पीड़ित, दलित, अगड़े, पिछड़े, महिलाएं, अल्पसंख्यक सभी शामिल हैं। इंडिया-पीडीए विकास और लोकतंत्र, समाजवाद के लिए प्रतिबद्ध है। पीडीए सामाजिक न्याय और जातीय जनगणना की पक्षधर है। भाजपा ने हमेशा पीडीए की उपेक्षा की है। वह आरक्षण को भी खत्म करने की साजिशें कर रही है।

बैठक में श्री अखिलेश यादव ने पासी

जयवीर सिंह की थीसिस ''स्टडी ऑफ डिजिटल डिवाइड ऐंड प्रिपेयरनेस फॉर ऑनलाइन टीचिंग ऐट सेकेंडरी टीचर एजूकेशन इंस्टीट्यूशंस'' तथा श्री वरूण शुक्ला की कविता पुस्तक 'सब्र' का विमोचन भी किया। श्री अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में चयनित और मण्डलीय प्रतियोगिता में पुरस्कृत कुमारी कृतिका राजभर (13वर्ष) को सम्मानित भी किया।

30 जनवरी को राज्य मुख्यालय के डॉ राममनोहर लोहिया सभागार में यूपी से आए कार्यकर्ताओं के बड़े हुजूम से मुखातिब होते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव देश के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। समाज के सभी वर्गों को समाजवादी पार्टी के पक्ष में मतदान करने के लिए पूरी ताकत के साथ जुट जाना है। समाजवादी पार्टी पीडीए को एकजुट करके भाजपा के एनडीए गठबंधन को हराएगी।

श्री यादव ने कहा कि हर समाजवादी कार्यकर्ता और पदाधिकारी को मतदान से लेकर वोट गिनवाने तक सतर्कता बरतनी है। समय कम बचा है। बूथ स्तर तक जुटना है। इस बार दिन रात एक कर देना है और हर हालत में जीत हासिल करनी है। उन्होंने कहा कि भाजपा उत्तर प्रदेश से 2014 में केंद्र की सत्ता में आई थी। 2024 में उत्तर प्रदेश से ही भाजपा सत्ता के बाहर जाएगी। भाजपा की पैसे की ताकत जनता के सामने टिक नहीं पाएगी।

श्री यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए आरक्षण आवश्यक है। भाजपा आरक्षण को साजिशन खत्म करना चाहती है। वह संविधान को भी बदलना चाहती है। 2024 के बाद लोकतंत्र पर खतरा है। भाजपा जनता को धोखा दे रही है। हालात अच्छे नहीं है। किसान, नौजवान, महिलाएं सभी परेशान हैं। महंगाई, बेरोजगारी, अन्याय, अत्याचार चरम पर है। समस्याओं का अंबार लगा है। इनके समाधान के लिए भाजपा के पास समय नहीं है। कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है। हर तरफ अपराध का बोलबाला है।

श्री यादव ने कार्यकर्ताओं को आगाह किया कि 2022 विधानसभा चुनाव का परिणाम सबको निगाह में रखना चाहिए। जनता ने तो समाजवादी पार्टी के पक्ष में फैसला कर लिया था लेकिन प्रशासनिक धांधली और सत्ता के दुरुपयोग से मतदाताओं को डरा धमका कर, मतदाता सूची में गड़बड़ी करके जनता के निर्णय से खिलवाड़ किया गया इसलिए हर स्तर पर 2024 के चुनाव को गंभीरता से लेना है। 2024 का चुनाव भारत के भविष्य का चुनाव है। लोकतंत्र और समाजवाद के साथ संविधान की सुरक्षा का भी यह अंतिम चुनाव होगा।

17 फरवरी को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर यूपी भर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा प्रबंधन का षड्यंत्र करके लोकतंत्र के विरुद्ध साजिश करने में लगी रहती है। उसकी नीतियां जनविरोधी हैं और लगातार वादा खिलाफी करके उसने जनता को अपने खिलाफ कर लिया है। पीडीए एजेंडा के सामने भाजपा एनडीए टिक नहीं सकता है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी भाजपा सरकार की कुनीतियों का फल है। भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा सिर्फ झूठे दावों और झूठे आंकड़ों के सहारे विकसित भारत का सपना दिखा रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां जनहित की हैं। समाजवादी पार्टी की सरकार में प्रदेश में विकास के कार्य हुए थे। श्री यादव ने कहा कि भाजपा को 2024 में केन्द्र से बेदखल करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पीडीए को जिताना जरूरी है। इसमें कोई कसर बाकी नहीं रहनी चाहिए क्योंकि यह लोकतंत्र और संविधान बचाने की अंतिम लड़ाई है।

जनेश्वर जी का संघर्ष सदा याद रहेगा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी ने उन्हें शिद्दत से याद करते हुए उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को बेमिसाल बताते हुए उनसे प्रेरणा लेने का संकल्प लिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने नमन करते हुए कहा कि जनेश्वर मिश्र जी ने जीवन पर्यंत गरीबों, पिछड़ों, दलितों व अभाव में जिंदगी बिताने वालों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने आजीवन समाजवादी आंदोलन तथा विचारधारा को आगे बढ़ाया। उनसे आने वाली पीढ़ी प्रेरणा लेती रहेगी।

22 जनवरी को जनेश्वर मिश्र पार्क, गोमती नगर लखनऊ में स्थित उनकी भव्य आदमकद मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज भी श्री जनेश्वर मिश्र जी जैसा संघर्ष करने की जरूरत है क्योंकि भाजपा राज में पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक समाज पीड़ित व दुखी है।

सपा के सशक्त स्तंभ थे जगजीवन बाबू

बुलेटिन ब्यूरो

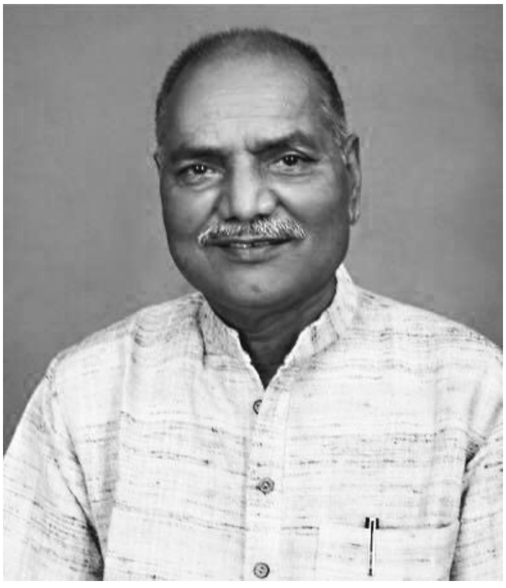

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पूर्व एमएलसी एवं समाजवादी पार्टी के सशक्त स्तंभ बाबू जगजीवन प्रसाद के निधन पर गहरा दुख जताते हुए शोकाकुल परिवारीजनों को ढांढ़स बंधाया और दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

2 फरवरी को बाबू जगजीवन प्रसाद के निधन की सूचना पर समाजवादी पार्टी के नेता-कार्यकर्ता शोकाकुल हो गए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने उनके आवास पर पहुंचकर पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिजनों को भी ढांढ़स बंधाया। बाद में वह बैकुण्ठ धाम पहुंचे और उनकी अंत्येष्टि में शामिल हुए। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बाबू जगजीवन प्रसाद जी, आजीवन नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव के पारिवारिक सदस्य की तरह रहे। उनके निधन से समाजवादी पार्टी और परिवार की अपूरणीय क्षति हुई है।

जनसेवा की मिसाल थे एसपी यादव

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री डॉ एस.पी. यादव के निधन पर समाजवादी पार्टी केर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने गहरा दुख जताते हुए परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। डा एसपी यादव को श्रद्धांजलि देने के लिए 27 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में एक शोक सभा में दो मिनट का मौन रहकर दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। शोकसभा में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने डॉ एस.पी. यादव के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शोकसभा में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ एसपी यादव, गोण्डा, बलरामपुर के लोकप्रिय नेता थे। वह सदैव जनसेवा में रत रहते थे। उनकी जनसेवा हमेशा याद रखी जाएगी।

26 जनवरी को बलरामपुर की गैसड़ी विधानसभा से विधायक डॉ एस.पी. यादव के निधन की सूचना के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित आवास पर जाकर उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और शोक संतप्त परिवारीजनों को सांत्वना दी। बाद में श्री अखिलेश यादव ने बलरामपुर जनपद स्थित उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।

सामाजिक सद्भाव के प्रतीक थे कर्पूरी ठाकुर

बुलेटिन ब्यूरो

जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय समेत समाजवादी पार्टी के सभी जिला कार्यालयों पर सादगी से मनाई गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जननायक कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन करने के बाद कहा कि वह सामाजिक सद्भाव के प्रतीक थे।

24 जनवरी को जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में श्री यादव ने मांग की कि सामाजिक न्याय के पुरोधाओं सर्वश्री डॉ राममनोहर लोहिया, बी.पी. मण्डल, नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव को भी भारतरत्न दिया जाए क्योंकि सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष करने वाले इन महापुरूषों ने समाज की विषमता को खत्म करने, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों के उत्थान के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

साफ़ और बेबाक 𝕏

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

यूपी पुलिस आरक्षी परीक्षा का निरस्त होना युवाओं की जीत है और भाजपा सरकार के प्रपंचों की हार। पहले तो भाजपाई कह रहे थे पेपर लीक ही नहीं हुए तो अब कैसे मान लिया। इसका मतलब अधिकारी और अपराधी मिले हुए थे और सरकार भी पीछे से अपना हाथ उनके सिर पर रखे हुई थी। लेकिन तमाम सबूतों के आगे चुनाव में ऐतिहासिक हार से बचने के लिए सरकार झुकने पर मजबूर हुई है।

भाजपा सरकार नौकरियों के नाम पर जो खेल बेरोज़गार युवक-युवतियों से खेल रही है, उसका सच अब सब समझने लगे हैं। दिखावे के लिए नौकरियाँ निकालना, अरबों रुपये की फीस ले लेना, पेपर लीक होने देना फिर निरस्त करने का नाटक करना... ये खेल भाजपा को इस बार बहुत महँगा पड़ेगा। इस बार युवाओं ने ठान लिया है कि न बहकावे में आएंगे न किसी भाजपाई झांसे में। युवा अगले हर चुनाव में भाजपा को बुरी तरह हराएंगे और हमेशा के लिए हटाएंगे।

युवा कह रहे हैं कि फीस के नाम पर जो पैसा लिया गया है कहीं वो भाजपा का चुनावी फंड न बन जाए, इसीलिए अभ्यर्थियों का फार्म ज़मा रहे लेकिन भाजपा सरकार फीस का पैसा अभी लौटाए और जब कभी दुबारा परीक्षा हो तो ऑन लाइन डिजिटल पेमेंट से तुरंत फिर से फीस ले ले।

#अस्सी_हराओ_भाजपा_हटाओ

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

किसानों के हितैषी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी, पूर्व प्रधानमंत्री श्री नरसिम्हा राव जी और हरित क्रांति के जनक डॉक्टर एमएस स्वामीनाथन जी का भारत रत्न से सम्मानित किया जाना, बहुत समय से लंबित माँग की पूर्ति है।

सच्चा सम्मान किसी भी व्यक्ति के सिद्धांतों और संघर्षों को मान देने से होता है, आशा है ऐसा ही होगा।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सौहार्दपूर्ण गठबंधन की सबको बधाई और हार्दिक शुभकामनाएँ!

- बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी का संविधान बचाने के लिए;
- लोहिया जी के संख्यानुपातिक हिस्सेदारी के सिद्धांत को अमल में लाने के लिए;
- समाजवादी मूल्यों को सक्रिय करके बराबरी लाने के लिए;
- 90% पीडीए को उनका हक़ दिलवाने के लिए और
- देश की तरक़्क़ी के लिए... एक हो जाएं।

#PDA_हराएगा_NDA
#अस्सी_हराओ_भाजपा_हटाओ

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उत्साह बता रहा है, PDA का दौर आ रहा है।

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सपा कार्यालय, लखनऊ।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

यहां कुछ और कहता है वहां कुछ और कहता है
हक़ीक़त कुछ है, लेकिन दास्तां कुछ और कहता है

कली से ताज़गी फूलों से खशबू हो गई ग़ायब
चमन का हाल कुछ है बाग़बां कुछ और कहता है

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

'इलेक्ट्रारल बांड' की अवैधानिकता और तत्काल ख़ात्मे का माननीय सर्वोच्च न्यायालय का फ़ैसला लोकतंत्र के पुनर्जीवन के लिए स्वागत योग्य निर्णय है।

ये भाजपा की नाजायज़ नीतियों का भंडाफोड़ है। ये फ़ैसला भाजपा-भ्रष्टाचार के बांड का भी खुलासा है।

जनता कह रही है लगे हाथ भाजपाइयों द्वारा लाए गये तथाकथित पीएम केयर फंड और तरह-तरह के भाजपाई चंदों पर भी खुलासा होना चाहिए। जब करदाताओं, दुकानदारों, कारोबारियों से पिछले दसों सालों का हिसाब माँगा जाता है तो भाजपा से क्यों नहीं माँगा जाए।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सपा का काम, आस्था के नाम.

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा राज में ये है भला कैसा अमृतकाल
किसानों पर आँसू गैस के गोलों की बौछार

धिक्कार! धिक्कार!! धिक्कार!!!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

आज विधान सभा में नामांकन के दौरान।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

'साज़िशें' होती हैं जिनकी हुकूमत की बुनियाद में
एक भी लम्हे का सुकून न होता है उनकी आँख में

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

समस्त जैन समाज के साथ-साथ सम्पूर्ण विश्व को सत्य-अहिंसा का मार्ग दिखाकर आत्मिक बोध की ओर ले जानेवाले युग दृष्टा आचार्य प्रवर श्री विद्यासागर जी महामुनिराज जी के ब्रह्मलीन होने पर कोटि-कोटि वंदन! उनकी चेतना-अनुभूति हमारे मन-हृदय में अनंत-अमर रहेगी।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

बनारस की चाट और चाय का आनंद ही कुछ और है!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा सरकार और प्रशासन की विफलता से भड़की हिंसा!

हल्द्वानी में जनता के साथ अन्याय कर रही सरकार, हिंसा में हुई लोगों की मृत्यु, हृदयविदारक।

मृतकों की आत्मा को शांति दे भगवान।

हिंसा को जल्द से जल्द काबू करें सरकार, पीड़ितों को मिले मुआवजा।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

अत्यंत दुःखद !

समाजवादी पार्टी, देवरिया के पूर्व जिलाध्यक्ष श्री राम इकबाल यादव जी का निधन!

एसजीपीजीआई पहुंचकर पार्थिव शरीर को नमन किया व परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

Translate Tweet

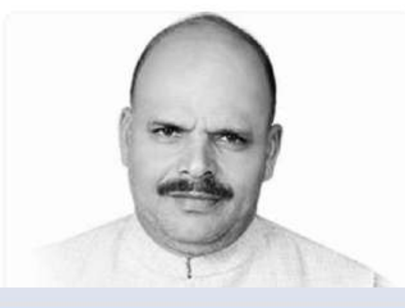

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

इटावा, मैनपुरी व कन्नौज

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

मुरादाबाद के सिद्ध हॉस्पिटल में सपा सांसद श्री शफीकुर्रहमान बर्क साहब से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली एवं शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

बहराइच से समाजवादी पार्टी की पूर्व सांसद रूबाब सईदा जी का इंतकाल, अत्यंत दुःखद।

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

शोक संतप्त परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो।

भावभीनी श्रद्धांजलि !

Translate Tweet

समरसता का हिंदुस्तान

लोहिया और मुलायम का सपना साकार कराना है
सामाजिक समरसता का हमें हिन्दुस्तान बनाना है ॥
हिन्दू,मुस्लिम, सिख,ईसाई सब भारत की शान हैं
हां अनेकता में एकता पर हम सबको अभिमान है
ऊंच नीच और जात- पात का सारा भेद मिटाना है
संविधान हो धर्म हमारा वह हिंदुस्तान बनाना है ।
लोहिया और मुलायम का सपना साकार कराना है
सामाजिक समरसता का हमें हिंदुस्तान बनाना है ।
वैरी हमें ललकार रहा है भरम का जाल बिछाया है
धर्मान्धता का लिए आसरा हम सबको भरमाया है
भाईचारे का दिखाकर मंजर इनको दूर भगाना है
पिछड़ों, दलितों,अल्पसंख्यकों को फिर आज जगाना है।
लोहिया और मुलायम का सपना साकार कराना है
सामाजिक समरसता का हमें हिंदुस्तान बनाना है ।
दो हजार चौबीस के रण में कौशल अपना दिखला देना
समाजवाद की विजय पताका चोटी पर फहरा देना
कहे "वीरेन्द्र' अखिलेश भइया का सम्मान बढ़ाना है
आदरणीय शिवपाल चाचा का जग हुआ दिवाना है ।
लोहिया और मुलायम का सपना साकार कराना है
सामाजिक समरसता का हमें हिंदुस्तान बनाना है ॥

- वीरेन्द्र कुमार यादव
(मुरादाबाद)

समाजवादी पार्टी

/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in

QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav /Samajwadi Party